श्री अन्न समाचार पत्र

हैदराबाद, सोलापुर, बाड़मेर, वरंगल

अंक - 263 सितंबर, 2025

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद -500 030.

गुड़ामालानी को अनुसंधान तथा किसान सशक्तिकरण के केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में श्री अन्न प्रौद्योगिकी प्रदर्शन एवं किसान सम्मेलन 2025

भाश्रीअनुसं की एससीएसपी योजना के अंतर्गत प्रदर्शनियों तथा प्रक्षेत्र प्रदर्शनों के माध्यम से बाजरा की उन्नत प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन हेतु 21 सितंबर 2025 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र, गुड़ामालानी, बाड़मेर में बाजरा प्रौद्योगिकी प्रदर्शन एवं किसान सम्मेलन 2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजस्थान में भाकृअनुप संस्थानों, निजी बीज कंपनियों और किसान उत्पादक संगठनों के द्वारा कुल 30 प्रदर्शनी स्टाल लगाए गए। किसानों ने उत्सा हपूर्वक वैज्ञानिकों के साथ चर्चा की और बिस्कुट, कुकीज़ व रबड़ी जैसे बाजरा-आधारित मूल्यवर्धित उत्पादों का आस्वादन किया।

श्री भागीरथ चौधरी, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे तथा डॉ. एम एल जाट, सचिव, कृअनुशिवि एवं महानिदेशक, भाकृअनुप ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर श्री कैलाश चौधरी, भूतपूर्व कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, डॉ. डी के यादव, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) तथा डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं, हैदराबाद उपस्थित थे।

गणमान्य लोगों ने वहां संचालित प्रशासनिक और प्रयोगशाला भवन के निर्माण कार्यों की समीक्षा की और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग से इ स वर्ष के भीतर कार्य पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने टीएसपी योजना के अंतर्गत बाजरा प्रौद्योगिकी प्रदर्शन पार्क की आधारशिला भी रखी, जिसमें एक आधुनिक प्रशिक्षण गृह और प्रदर्शन सुविधाएं होंगी। डॉ. एम एल जाट ने अपने संबोधन में वैज्ञानिक जनशक्ति संवर्धन के साथ गुड़ामालानी को जीरा, सरसों, अरंडी एवं अनार जैसी क्षेत्र -विशिष्ट फसलों के अनुसंधान केंद्र के रूप में विकसित करने पर बल दिया। श्री भागीरथ चौधरी ने बुनियादी ढांचे के शीघ्र निर्माण और किसान-केंद्रित विकास के लिए मंत्रालय की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। डॉ. डी के यादव ने बाजरा सुधार के लिए केंद्र के महत्व पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. तारा सत्यवती ने जलवायु-अनुकूल जीनप्ररूप हेतु उच्च-गुणता वाले अनुसंधान का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर, 600 अनुसूचित जाति के किसानों को अनाज सुरक्षा एवं खेत में उपयोगार्थ 6 x6 मीटर के तिरपाल प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में 1000 से अधिक किसानों और हितधारकों ने भाग लिया। डॉ. एस एन सक्सेना, प्रमुख, भाश्रीअनुसं -क्षेअनुकें, गुड़ामालानी ने धन्यवाद ज्ञापन में गणमान्य लोगों के प्रोत्साहन हेतु आभार प्रदर्शित किया और अपेक्षानुरूप केंद्र की स्थापना हेतु अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई।

डॉ. एनजीपी राव तृतीय स्मारक व्याख्यान तथा डॉ. एनजीपी राव स्मारक जीवनपर्यंत उपलब्धि पुरस्कार समारोह

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 23 सितंबर, 2025 को सोसायटी फॉर मिलेट्स रिसर्च के तत्वावधान में डॉ. एनजीपी राव स्मारक द्विवार्षिक व्याख्यान

तथा डॉ. एनजीपी राव स्मारक जीवनपर्यंत उपलब्धि पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, डॉ. हिमांशु पाठक, महानिदेशक, अंतर्राष्ट्रीय अर्ध -शुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान (इक्रिसेट), पटनचेरु, तेलंगाना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने "जलवायु-लचीली कृषि-खाद्य प्रणालियों के लिए श्री अन्न" विषय पर डॉ. एनजीपी राव स्मारक द्विवार्षिक व्याख्यान दिया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों , आगामी जलवायु जोखिमों , फसल अनुकूलन और जलवायु लचीली कृषि हेतु महत्वपूर्ण श्री अन्न पर प्रकाश डाला। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के तरीकों , उस संबंध में इक्रिसेट के प्रयासों और एशिया तथा अफ्रीका में स्थायी फसल उत्पादन प्रणालियों के भविष्य के बारे में सविस्तार बताया। डॉ . हरि प्रकाश यादव, भूतपूर्व परियोजना समन्वयक, बाजरे पर अभासअनुप को बाजरा अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवा के लिए डॉ. एनजीपी राव स्मारक जीवनपर्यंत उपलब्धि पुरस्कार प्रदान किया गया।

यह कार्यक्रम हाइब्रिड विधि में आयोजित किया गया तथा कई प्रतिष्ठित विद्वानों ने ऑनलाइन माध्यम से इसमें भाग लिया। प्रो . एम जगदीश कुमार, भूतपूर्व अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भूतपूर्व निदेशक, भाश्रीअनुसं तथा बाजरे पर अभासअनुप के परियोजना समन्वयकों ने आभासी माध्यम से समारोह की शोभा बढ़ाई ।
भाश्रीअनुसं और अभासअनुप केंद्रों के वैज्ञानिकों सहित बाजरा अनुसंधान संस्था के सदस्यों ने बैठक में भाग लिया। डॉ. बी वेंकटेश भट , प्रधान वैज्ञानिक, सूगण्ण, वैज्ञानिक, श्री एच एस गावली, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री रघुनाथ कुलकर्णी, तकनीकी अधिकारी और श्रीमती एन कनक दुर्गा, निजी सचिव ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

ग्लोबल स्ट्रेटेजिक अलायंस कॉन्फ्रेंस, यूएसए में सहभागिता

डॉ. (श्रीमती) तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 5-6 सितंबर 2025 को येलो बॉक्स, नेपरविले, इलिनोइस, अमेरिका में आयोजित ग्लोबल स्ट्रैटेजिक अलायंस (जीएसए) ग्लोबल आई सोरघम एंड मिलेट्स इनिशिएटिव सीरीज़ 2025 में विशेष वक्ता के रूप में भाग लिया। यह कार्यक्रम पर्ड्यू विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान विभाग और ग्लोबल स्ट्रैटेजिक अलायंस (जीएसए) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान, डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती ने पैनल चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया और एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने ज्वार एवं श्री अन्न अनुसंधान में वैश्विक कार्यनीतियों एवं नवाचारों पर अपनी विशेषज्ञता साझा की।

यूपीसीएआर दल का भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं दौरा

डॉ. संजय सिंह, महानिदेशक, यूपीसीएआर के नेतृत्व में, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (यूपीसीएआर) के एक दल - डॉ. परमेंद्र सिंह, उप महानिदेशक, डॉ. राजर्षि गौड़, उप महानिदेशक, और डॉ. रिन्नी सिंह वैज्ञानिक अधिकारी ने 5 सितंबर 2025 को भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं का दौरा किया और "उत्तर प्रदेश में श्री अन्न की अनुकूलता तथा उत्पादकता में सुधार" पर एक सहयोगात्मक परियोजना पर विचार-विमर्श किया। डॉ. पी संजना रेड्डी, प्रधान वैज्ञानिक एवं भाश्रीअनुसं के अन्य वैज्ञानिक - डॉ. के हरिप्रसन्ना, डॉ. के वेंकटेश, डॉ. अमसिद्ध, डॉ. के एन गणपति, डॉ. ए श्रीनिवास और तकनीकी अधिकारी - डॉ. वी रवि कुमार ने इस दौरे का समन्वय किया।

डॉ. पी संजना रेड्डी ने पहले वर्ष के दौरान परियोजना में की गई अनुसंधान गतिविधियों का सिंहावलोकन प्रस्तुत किया। बैठक में भावी योजनाओं, सहयोगों और सीमांत किसानों के लिए सामाजिक-आर्थिक लाभों पर चर्चा की गई। दल ने सभी श्री अन्न में प्रजनन परीक्षण, उत्पादन के अधीन किस्मों एवं जननद्रव्य संग्रह की विशेषता वाले प्रायोगिक भूखंडों का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल को भाश्रीअनुसं में तैयार हो रहे श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र दिखाया गया, जिसे श्री अन्न आधारित प्रणालियों में उन्नत अनुसंधान, नवाचार और क्षमता निर्माण के केंद्र के रूप में देखा गया है। दल ने भाश्रीअनुसं के टीबीआई, न्यूट्रीहब का दौरा भी किया, जो श्री अन्न मूल्य शृंखलाओं में स्टार्टअप को सहायता प्रदान करता है। प्रदर्शनों में श्री अन्न आधारित खाद्य प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन एवं पोषण परीक्षण और गुणता नियंत्रण के लिए विश्लेषणात्मक सुविधाओं पर प्रकाश डाला गया।

प्रशिक्षण

1. श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन में नवीनतम प्रगति

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के द्वारा विशेष रूप से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय तथा तेलंगाना आवासीय विद्यालय के 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों एवं शिक्षकों के लिए डिज़ाइन *"श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन में नवीनतम प्रगति"* पर 8 - 12 सितंबर 2025 के दौरान पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्रीमती एम राधा रेड्डी, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा तेलंगाना ने छात्रों एवं शिक्षकों को श्री अन्न के महत्व और उनके मूल्यवर्धन की संभावनाओं के बारे में जागरूक करने की भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की पहल की सराहना की। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने पोषण सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए श्री अन्न-आधारित तकनीकों और मूल्य शृंखला विकास को बढ़ावा देने में संस्थान के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बल देते हुए कहा कि छात्र अपने समुदायों में श्री अन्न के पोषण और स्वास्थ्य लाभों के प्रसार हेतु प्रभावी सिपाही हैं।

डॉ. ए श्रीनिवास, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं निदेशक-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ने प्रशिक्षण का समन्वय किया, उन्होंने प्रतिभागियो को श्री अन्न की खेती, प्रसंस्करण तकनीकें, उत्पाद विकास और व्यावहारिक प्रदर्शन पर आयोजित विभिन्न सत्रों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने पूरे कार्यक्रम में छात्रों और शिक्ष कों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना भी की। डॉ. रविचंद्रन, प्रोफेसर, एनसीईआरटी ने शिक्षा प्रणाली में छात्रों और शिक्षकों के बीच अनुभवात्मक शिक्षण और क्षमता निर्माण की भूमिका पर बल दिया। छात्रों और शिक्षकों को भागीदारी प्रमाण पत्र वितरित करने के साथ प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रतिभागियों ने कहा कि यह कार्यक्रम श्री अन्न के बारे में उनके ज्ञान को समृद्ध करने और उन्हें स्वास्थ्यवर्धक भोजन विकल्पों को बढ़ावा देने हेतु प्रेरित करने में अत्यधिक लाभकारी रहा है।

2. श्री अन्न बीज उत्पादन तथा गुणता आश्वासन

ओडिशा श्री अन्न अभियान के अंतर्गत, भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने 9–12 सितंबर, 2025 के दौरान *"श्री अन्न बीज उत्पादन और गुणवत्ता आश्वासन"* पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ओडिशा में श्री अन्न बीज क्षेत्र को सुदृढ़ करने हेतु बीज उत्पादन, प्रसंस्करण और गुणता आश्वासन हेतु हितधारकों में क्षमता निर्माण करना था।

डॉ. जी श्याम प्रसाद, निदेशक (प्रभारी), भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने उद्घाटन सत्र के दौरान अपने संबोधन में उत्पादकता बढ़ाने में गुणतापूर्ण बीजों की महत्वपूर्ण भूमिका और किसानों के लिए उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में श्री अन्न बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी के व्यापक क्षेत्रों के अंतर्गत विविध विषयों को शामिल किया गया, जिनमें श्री अन्न बीज उत्पादन के सिद्धांत व अभ्यास, बीज प्रसंस्करण, सुखाना व भंडारण, बीज प्रमाणन प्रणालियां और गुणता नियंत्रण उपाय, तथा कटाई उपरांत प्रबंधन और मूल्यवर्धन पहलू शामिल थे। कार्यक्रम में सैद्धांतिक सत्रों और व्यावहारिक सत्रों का संतुलन था। व्याख्यानों, प्रदर्शनों, प्रयोगशाला अभ्यासों और क्षेत्रीय दौरों के माध्यम से प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस समूह में कृषि विभाग के अधिकारी, ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, के सहायक प्राध्यापक और ओडिशा के किसान उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ. सी तारा सत्यवती के समग्र मार्गदर्शन में डॉ. सूगण्ण, डॉ. बी वेंकटेश भट, श्री के श्रीनिवास बाबू, डॉ. के एन गणपति और डॉ. संगप्पा के द्वारा आयोजित किया गया।

हिंदी चेतना मास समारोह

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में डॉ. जी श्याम प्रसाद, प्रभारी निदेशक, भाश्रीअनुसं के द्वारा 16 सितंबर, 2025 को मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित करके हिंदी चेतना मास समारोह का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर डॉ. श्याम प्रसाद ने संस्थान के सभी कार्मिकों को राजभा षा प्रतिज्ञा दिलाई तथा अपने संबोधन में उन्होंने संस्थान के अधिकारियों को हिंदी चेतना मास समारोह के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यों की सार्थकता तभी सिद्ध हो सकती है जब उनके प्रयोक्त अर्थात किसान उनका उपयोग कर सके और यह केवल हिंदी एवं स्थानीय भाषाओं के प्रयोग से ही संभव है। इसके अलावा सभी अधिकारियों को उक्त उत्सव में बड़े ही उत्साह के साथ भाग लेने हेतु आग्रह किया।

इस अवसर पर श्रीमती ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा श्री शेख रूकमान, वित्त एवं लेखा अधिकारी ने क्रमशः श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री के संदेश तथा डॉ. मांगी लाल जाट, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अपील का वाचन किया। डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने हिंदी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संपूर्ण विश्व में हिंदी के बढ़ते वर्चस्व के बारे में बताया। इसके अलावा उ न्होंने हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित की जा रही विभिन्न प्रतियोगिताओं (निबंध लेखन, अनुवाद, आशुभाषण, प्रश्नमंच आदि) तथा हिंदी में हस्ताक्षर अभियान के संबंध में जानकारी प्रदान की। डॉ. जिनु जेकब, वैज्ञानिक एवं प्रभारी अधिकारी, हिंदी कक्ष ने समारोह में उपस्थित लोगो का स्वागत किया तथा बताया कि यह समारोह हर वर्ग को एक मंच पर लाने का एक सुअवसर है और हमारी राजभाषा भी यही कार्य कर रही है। अंत में डॉ. महेश कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन, तत्पश्चात राष्ट्रगान के बाद समारोह का समापन हुआ। हिंदी चेतना मास समारोह के दैरान हिंदी में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें सभी वर्ग के अधिकारियों ने बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया।

सम्मान

डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक

डॉ. (श्रीमती) तारा सत्यवती को उनके उत्कृष्ट योगदान के सम्मान में, संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधि सभा - अमेरिकी कांग्रेसमैन प्रथम जिला पदक से सम्मानित किया गया।

डॉ. (श्रीमती) तारा सत्यवती को अमेरिकी बहु-जातीय आयोग (एएमईसी) की ओर से सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया, जिसकी विशेषता शिकागो, अमेरिका में एएमईसी कलर्स की औपचारिक प्रस्तुति थी।

समझौते ज्ञापन

समझौता तिथि	लाइसेंसधारी	समझौते ज्ञापन का उद्देश्य
11.09.2025	प्रोविडेंस हेल्थ एंड लाइफस्टाइल प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	श्री अन्न की दो मूल्यवर्धित प्रौद्योगिकियों अर्थात् रागी गुड़ कुकीज़ और रागी (अखरोट) डिलाइट बार हेतु लाइसेंस
11.09.2025	रैलिस इंडिया लिमिटेड, मुंबई	मीठी ज्वार किस्म सीएसवी 49एसएस हेतु लाइसेंस
11.09.2025	रैलिस इंडिया लिमिटेड, मुंबई	मीठा ज्वार संकर किस्म सीएसएच 22एसएस हेतु लाइसेंस
11.09.2025	महिको प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई	ज्वार संकर सीएसएच 24एमएफ हेतु लाइसेंस
17.09.2025	होल्लि गुड फार्म्स, आंध्र प्रदेश	7 श्री अन्न मूल्यवर्धित प्रौद्योगिकियों अर्थात् बहु -धान्य आटा, बहु-श्री अन्न त्वरित इडली मिश्रण, ज्वार त्वरित उपमा मिश्रण, ज्वार मुरमुरा, ज्वार जीरा कुकीज़, रागी प्रीमियम काजू कुकीज़ तथा प्रोटीन युक्त ज्वार मूसली हेतु लाइसेंस

होल्लि गुड फार्म्स, आंध्र प्रदेश

सितंबर 2025 में प्रशिक्षण आयोजित

क्र. सं.	प्रशिक्षण का शीर्षक	प्रायोजक अभिकरण	तिथि	अवधि (दिनों में)	सहभागियों की संख्या	प्रतिभागियों की श्रेणी
1	"जैव-पौष्टिकीकरण - भारत में खाद्य और पोषण सुरक्षा का सामना करने हेतु श्री अन्न में सूक्ष्म पोषक तत्वों को समृद्ध करने के लिए एक अग्रणी नवीन दृष्टिकोण" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण	मैनेज, हैदराबाद	1-3 सितंबर 2025	3	194	भाकृअनुप, राकृविवि, केंकृविवि तथा (एसएएमईटीआई), देश-विदेश के विस्तार शिक्षा संस्थान शामिल राज्य विभाग के वैज्ञानिक, विषय विशेषज्ञ, व्याख्याता, कृषि/ बागवानी/विस्तार अधिकारी/छात्र
2	बनवासी में श्री अन्न वैज्ञानिकों -अनुसूचित जाति किसानों के बीच इंटरफेस बैठक और आगत वितरण	जीसीओई एससीएसपी, भाश्रीअनुसं	08/09/2025	1	150	वैज्ञानिक, विस्तार अधिकारी, किसान, किउसं
3	ज्वार तथा श्री अन्न पर अभासअनुप द्वारा आयोजित मांड्या में अनुसूचित जाति के किसानों को श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन प्रौद्योगिकियां	ज्वार तथा श्री अन्न पर अभासअनुप	19/09/2025	1	50	वैज्ञानिक, कृविकें, विस्तार अधिकारी, किसान, प्रोफेसर और हितधारक
4	श्री अन्न बीज उत्पादन और गुणता आश्वासन	ओमिमि परियोजना	9-12 सितंबर, 2025	4	22	सहायक प्रोफेसर, कृषि अधिकारी

बैठकों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों आदि में सहभागिता – डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं

कार्यक्रम विवरण (यदि प्रपत्र आदि प्रस्तुत किया है तो प्रपत्र का शीर्षक)	आयोजक	ऑनलाइन / प्रत्यक्ष	तिथि
जैव-पौष्टिकिकरण - भारत में खाद्य और पोषण सुरक्षा का सामना करने के लिए श्री अन्न में सूक्ष्म पोषक तत्वों को समृद्ध करने के लिए एक अग्रणी नवीन दृष्टिकोण" पर सहयोगात्मक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान समापन संबोधन	मैनेज, हैदराबाद	ऑनलाइन	03.09.2025
पर्ड्यू विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान विभाग और ग्लोबल स्ट्रेटेजिक अलायंस (जीएसए) द्वारा येलो बॉक्स, नेपरविले, इलिनोइस, अमेरिका में ग्लोबल स्ट्रेटेजिक अलायंस (जीएसए) ग्लोबल आई सोरघम एंड मिलेट्स इनिशिएटिव सीरीज़ 2025 का आयोजन	जीएसए मिलेट्स सीरीज़ इनिशिएटिव, यूएसए	प्रत्यक्ष	5-6 सितंबर 2025
डायलॉगनेक्स्ट -भारत	विश्व खाद्य पुरस्कार फाउंडेशन, आईएमएमवाईटी, बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया (बीआईएसए) एवं भाकृअनुप	प्रत्यक्ष	8-9 सितंबर 2025
कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए) रबी अभियान विकास पर तेलंगाना राज्य के नोडल अधिकारी के रूप में ऑनलाइन बैठक की अध्यक्षता	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	ऑनलाइन	11.09.2025
भारत-अफ्रीका बीज शिखर सम्मेलन 2025 में सत्र 8: बीज प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने में अनुसंधान और विकास की भूमिका के दौरान मुख्य अतिथि और पैनल वक्ता	भारतीय खाद्य एवं कृषि चैंबर (आईसीएफए), नई दिल्ली	प्रत्यक्ष	12.09.2025
रबी अभियान 2025 के लिए कृषि पर राष्ट्रीय सम्मेलन	कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली	प्रत्यक्ष	15-16 सितंबर 2025
माननीय कुलपति एवं अनुसंधान निदेशक, पीजेटीएयू और भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं दल के साथ अनुसंधान सहयोग बैठक	पीजेटीएयू, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	23.09.2025
आरयूटीएजी 2.0 नवाचारों के लिए हितधारक परामर्श बैठक के उद्घाटन कार्यक्रम में सहभागिता	भाकृअनुप-राकृअनुप्रअ, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	24.09.2025
सचिव, डेयर और महानिदेशक, भाकृअनुप की अध्यक्षता में आयोजित वीकेएसए रबी 2025 पर ऑनलाइन बैठक	भाकृअनुप, नई दिल्ली	ऑनलाइन	24.09.2025
भाकृअनुप-राकृअनुप्रअ, हैदराबाद में "कृषि परिवर्तन के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में फ्रंटियर्स" (एफएसटीएटी-2025) पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2025 के दौरान मुख्य अतिथि	एफएसटीएटी	प्रत्यक्ष	25-26 सितंबर 2025
जीनोम संपादन ईएफसी पर ऑनलाइन समीक्षा बैठक	भाकृअनुप-भाकृअनुसं, नई दिल्ली	ऑनलाइन	26.09.2025
दलहन एवं तिलहन की ऑनलाइन ईएफसी प्रस्तुति	भाकृअनुप-भाकृअनुसं, नई दिल्ली	ऑनलाइन	29.09.2025

बैठकों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों आदि में सहभागिता – अन्य वैज्ञानिक व अधिकारीगण

अधिकारी का नाम	भागीदारी विवरण (प्रपत्रादि प्रस्तुत करने की स्थिति में प्रपत्र का शीर्षक)	आयोजक	ऑनलाइन/ प्रत्यक्ष	तिथि
डॉ. आई के दास	आर का उपयोग करके बहु-पर्यावरण परीक्षण डेटा का विश्लेषण	राकृअनुप्रअ, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	17-19 सितंबर 2025
डॉ. संतोष कुमार गुप्त	कृषि में प्रभावशाली एआई उपकरण	राकृअनुप्रअ, हैदराबाद	ऑनलाइन	15-19 सितंबर, 2025

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केन्द्र

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

बाजरा, ज्वार तथा लघु श्री अन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053

दूरभाष : 040-24599300 ई-मेल : millets.icar@nic.in वेबसाइट : www.millets.res.in

संकलन एवं संपादन

डॉ. महेश कुमार, डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. वी वेंकटेश भट

फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा

एच एस गावली

प्रकाशक एवं मुख्य संपादक

निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

रबी ज्वार अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456 फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला (भाश्रीअनुसं)
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, आरएआरएस
(पीजेटीएसएयू) मुलुगू रोड़, वरंगल

क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान
ई-मेल : barmer@millets.res.in